2006

NM-MA(SOC-I)(*-I)

Full Marks: 70 Time: 3.00 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Answer Any **Five** Questions.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. What were the basic questions which inspired Durkheim to study the division of labour in society ? Critically comment on his conclusions ?.

   किन आधारभूत प्रश्नों से प्रेरित होकर दुर्खीम ने समाज में श्रम विभाजन का अध्ययन किया ? उनके निष्कर्षों की समालोचनात्मक व्याख्या करें।

2. Discuss the nature and functions of capitalism.

   पूँजीवाद की प्रकृति एवं विशेषताओं की चर्चा करें।

3. What is Alienation ? Discuss competitive views of Marx and Max Weber on it.

   अलगवाद क्या है ? इस पर मार्क्स एवं मैक्स वेबर के तुलनात्मक विचारों का उल्लेख करें।

4. Examine pareto's analysis of circulation of elites ? Is it valid for modern industrial societies ?

   पैरेटो के अभिजात्य वर्ग के परिभ्रमण के विश्लेषण का परीक्षण करें। क्या यह आधुनिक औद्योगिक समाजों में प्रासंगिक है ?

5. Discuss Durkheim's view on Anomic and its relevance in understanding contemporary Indian situation.

   नियमविहिनता पर दुर्खीम के विचारों को स्पष्ट करें तथा समकालीन भारतीय परिस्थिति को समझने में इसकी सार्थकता की चर्चा करें।

6. Explain Marxian concept of class and analysis its importance in conflict theory.

   वर्ग की मार्क्सवादी अवधारणा को स्पष्ट करे तथा संधर्ष सिद्धान्त में इसके महत्व का विश्लेषण करें।

7. "sociology emerged out of the problems and issues vital to nineteenth century Europe." Explain this statement.

   "समाजशास्त्र का उदभव उन्नीसवीं शताब्दी के यूरोप की मुख्य समस्याओं एवं मुद्दों के कारण हुआ।" इस कथन की व्याख्या करें।

8. Critically examine Max Weber's concept of authority.
मैक्स वेबर की सत्ता की अवधारणा का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

9. What does Weber mean by ideal types ? How is the concept relevant in society
वेबर आदर्श प्रारूप से क्या समझते हैं ? समाजशास्त्र में आदर्श प्रारूप कैसे प्रासंगिक है ?

10. Write short notes on any two of the following :-
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें।

(1) Social fact — सामाजिक तथ्य
(2) Mode of Production. — उत्पादन के तरीके
(3) Protestant Ethics. — प्रोटेस्टैंट आचार
(4) Value free sociology — मूल्य निरपेक्ष समाजशास्त्र